उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सूभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 06 अक्टूबर, 2018 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–06(10/37)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के पिता श्री श्यामलाल मौर्य जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति व शोक संतप्त परिवारजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

**देहरादून 06 अक्टूबर, 2018 (सू.ब्यूरो)** **प्रेस नोट–05(10/36)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने जैव विविधता के संरक्षण के प्रति सामुहिक प्रयासों की जरूरत बताते हुए कहा कि आज ग्लोबल विलेज की बात हो रही जबकि वसुदेव कुटम्बकम हमारा जीवन दर्शन रहा है। हमारे महान ऋषियों ने समग्र विश्व को एक परिवार माना है, इस प्रकार हम सब एक दूसरे से जुड़े है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता को संरक्षित करने के लिये इन्टरनेशनल बायोडायवर्सिटी कांग्रेस में देश विदेश के विज्ञानियों द्वारा किया गया चिन्तन निश्चित रूप से हम सबके लिये लाभदायी होगा।

शनिवार को एफ आर आई में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता सम्मेलन में विभिन्न विज्ञानियों को जैव विविधता संरक्षण, परिस्थितिकी तंत्र आदि से सम्बंधित विभिन्न शोध पत्रों के लिये प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि प्रकृति को अपना मित्र मानने की भी हमारी परम्परा रही है। हमारे उपनिषदों मे ***ईशावास्य मिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यॉं जगत्....*** अर्थात जगत के कण–कण में परमात्मा का वास बताते हुए प्रकृति की हर वस्तु का उपभोग त्याग की भावना से करने को कहा गया है। यदि हम इसका उपयोग भोगके लिये करते हैं तो प्रकृति के साथ हमारा सामजस्य बिगड जायेगा। जैव विविधता को हमारी नही बल्कि हमें जैव विविधता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रकृति को संरक्षित करने की अपनी परंपराओं का निर्वहन करते हुए हमारे पूर्वजों ने विभिन्न बीजो का संग्रह ही नही किया बल्कि उनकी कई नस्लों को बचाने के लिये अपनी जान तक दी है। यह उनका अपनी जैव विविधता को बचाने के प्रति गहन चिंतन था। इसी प्रकार का चिंतन हमें आगे ले जाना होगा।

उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति से नाता जोडकर जैव विविधता व पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित रखने की अपनी जिम्मेदारी निभायी है। प्रकृति से जुडाव का संदेश हमें इससे भी मिलता है कि ब्रह्म कमल पुष्प तोडने से पूर्व उससे प्रार्थना की जाती है कि हम देवार्चन के लिये पुष्प ले रहे है। यही नही उस स्थान पर शहद आदि मीठी वस्तु रखते है, ताकि जैव विविधता का नुकसान न हो। प्रकृति में इस प्रकार का अपनत्व का भाव होने के बाद भी इसमें आ रहे संकट को दूर करने की दिशा में हम सबको चिन्तन करना होगा। प्रकृति से जुडकर ही हम इसे बचाने में सफल हो पायेगे। उन्होंने कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के लिये इस सम्मेलन में हुए मन्थन का लाभ निश्चित रूप से देश व दुनिया को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैवविविधता के मामले में उत्तराखण्ड समृद्ध राज्य हैं। हिमालय की समृद्ध संपदा हमारे लिए एक वरदान की तरह है। ये किसी न किसी रूप में हमारी आजीविका, संस्कृति औऱ सभ्यता से जुड़ी हुई हैं। हमारी ये कोशिश है कि इन क्षेत्रों में निवेश के जरिए आजीविका को भी सुधारा जाए और संसाधनों के समुचित उपयोग करते हुए इनका संरक्षण भी किया जाय। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड हिमालय की धरती है, गंगा यमुना का उद्गम स्थल है। चीड़ देवदार, बांज, बुराश के वन यहां हैं। ब्रह्मकमल समेत तमाम दुर्लभ पुष्प प्रजातियां यहां मौजूद हैं। विभिन्न प्रकार की दुर्लभ जड़ी बूटियां हिमालयी क्षेत्र में मिलती हैं। विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी वन्य जीवों की सैकड़ों प्रजातियां, देवभूमि में संरक्षित की जा रही हैं।

इस अवसर पर सिकिक्म के पूर्व राज्यपाल श्री वी.पी.सिंह, नवधान्य संस्था की चेयरपर्सन सुश्री बन्दना शिवा, एफआरआई की निदेशक डॉ. सविता, उत्तराखण्ड बायोडायवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. राकेश शाह, यूकास्ट के महानिदेशक डॉ. राजेन्द्र डोभाल आदि उपस्थित थे।

***सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग***

देहरादून 06 अक्टूबर, 2018 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(10/35)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने वरिष्ठ पत्रकार श्री एल.मोहन कोठियाल के असमय निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति व शोक संतप्त परिवारजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि दिवंगत कोठियाल का जीवन सदैव पत्रकारिता के लिये समर्पित रहा है। उन्होंने दिवंगत श्री एल.मोहन कोठियाल के निधन को पत्रकारिता के क्षेत्र में अपूर्णीय क्षति बताया है।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

**देहरादून 06 अक्टूबर, 2018 (सू.ब्यूरो)** **प्रेस नोट–01(10/32)**

एनबीसीसी (इण्डिया) लिमिटेड (नेशनल बिल्डिंग कन्सट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड) द्वारा 750 करोड़ रूपये की लागत से रिस्पना के आस–पास 1.2 किलोमीटर व बिन्दाल के 2.5 किलोमीटर क्षेत्र में रिवर फ्रन्ट डेवलपमेन्ट के तहत चैनलाइजेशन व जन सुविधाओं व सड़को का निर्माण, निर्धनो के लिए आवास निर्माण, पार्किंग व्यवस्था व रिवर फ्रन्ट एरिया के सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की उपस्थिति में शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में एनबीसीसी(इण्डिया) लिमिटेड व मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण के मध्य 750 करोड़ रूपये का एमओयू किया गया। यह एमडीडीए का अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। एनबीसीसी द्वारा बिन्दाल व रिस्पना के रिवर फ्रन्ट डेवलपमेन्ट व सौन्दर्यीकरण का कार्य पीएमसी मॉडल के आधार पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने एनबीसीसी (इण्डिया) लिमिटेड व एमडीडीए को उक्त प्रोजेक्ट के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के *औद्योगिक सलाहकार श्री के.एस.पंवार,* एमडीडीए के उपाध्यक्ष डा0 आशीष कुमार श्रीवास्तव , एनबीसीसी (इण्डिया) लिमिटेड से श्री पी एस रावत सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

***सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग***

**देहरादून 06 अक्टूबर, 2018 (सू.ब्यूरो)** **प्रेस नोट–03(10/34**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को अन्तर्राष्टीय क्रिकेट स्टेडियम रायपुर में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट की अन्तिम तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को सभी तैयारियां ससमय व सुव्यवस्थित पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निवेशकों व प्रतिभागियों के सहयोग, सुविधा व सहायता हेतु सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबन्द की जाए।

मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों को उद्योगो के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने का परिणाम है कि बड़ी संख्या में उद्यमी राज्य में निवेश के इच्छुक है। निवेशकों द्वारा राज्य में नए उद्योगों की स्थापना व पुराने व स्थानीय उद्यमों के विस्तार से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर खुलेंगे व पलायन पर प्रभावी अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट ऐतिहासिक है। हमारे पास लगातार निवेशक आ रहे हैं। पंजीकरण निरन्तर बढ़ते जा रहे हैं। यह निवेश राज्य के विकास व प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह, डीजीपी श्री अनिल रतूड़ी, प्रमुख सचिव श्रीमती मनीषा पंवार सहित प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

**देहरादून 06 अक्टूबर, 2018 (सू.ब्यूरो)** **प्रेस नोट–02(10/33)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को देहरादून (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–72 ए) में मां डाट काली मंदिर के समीप 2 लेन इंजीनियर एम0 विश्वेश्वरैया टनल का विधिवत लोकापर्ण किया। भारत रत्न इंजीनियर एम0 विश्वेश्वरैया टनल की लम्बाई 340 मीटर (5 मीटर दोनो ओर पोर्टल सहित), ऊंचाई 5.50 मीटर, टनल के केरिज वे की चौड़ाई 7.50 मीटर, टनल का फुटपाथ दोनों ओर 1.50 मीटर चौड़े है। टनल से देहरादून की ओर पहुॅच मार्ग 255 मीटर व सहारनपुर की ओर पहुॅच मार्ग 205 मीटर है। टनल का निर्माण कार्य निर्धारित समय से 08 माह पूर्व पूर्ण हो गया है। टनल निर्माण लागत में 9 करोड़ रूपये की बचत हुई है। टनल निर्माण की स्वीकृत लागत 71.93 करोड़ रूपये थी तथा मूल अनुबन्ध 56.01 करोड़ रूपये का था।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि भारत रत्न इंजीनियर एम0 विश्वेश्वरैया टनल हमारे प्रतिभावान व परिश्रमी इंजीनियरों को समर्पित हैं। टनल का निर्माण कार्य निर्धारित समय से 08 माह पूर्व पूर्ण करने व टनल निर्माण लागत में 9 करोड़ की बचत के लिए कार्यदायी संस्था बधाई व प्रंशसा की पात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही टनल के प्रवेश द्वारों पर देवभूमि उत्तराखण्ड की संस्कृति की झलक दिखाने व सौन्दर्यीकरण के लिए भी कार्य किया जाए। इन्हें पर्यटकों के लिए सेल्फी पॉइन्ट के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने डाट काली मन्दिर की पुरानी टनल के जीर्णोद्धार की बात कही। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि सरकार द्वारा डीजल पेट्रोल के दामों में 5 रूपये की कमी कर दी गई है। राज्य में 90 करोड़ लीटर डीजल व 40 करोड़ लीटर पेट्रोल के साथ प्रतिवर्ष कुल 130 करोड़ लीटर डीजल–पेट्रोल की खपत होती है। इससे सरकार पर लगभग सवा तीन सौ करोड़ रूपये वित्तीय बोझ बढ़ेगा। हमें इस घाटे को पूरा करने के लिए उत्पादन व राजस्व को बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। राज्य सरकार द्वारा सड़कों के सुधारीकरण व सुगम बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इससे आम जन व पर्यटकों को सुविधा होगी। इस वर्ष राज्य में रिकार्ड पर्यटक आए। राज्य सरकार के खनन राजस्व में वृद्धि 400 करोड़ रूपये से बढ़कर 800 करोड़ रूपये हो गई है। वन विकास निगम से भी 100 करोड़ रूपये की आय होने की संभावना है। इस प्रकार हम राजस्व घाटा पूरा करने व प्रगति की ओर बढ़ने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आयोजित निवेशक सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। हमारे पास लगातार निवेशक आ रहे है। पंजीकरण निरन्तर बढ़ते जा रहे है। यह निवेश राज्य के विकास व प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 2025 में जब उत्तराखण्ड अपनी रजत जयन्ती मना रहा होगा तो राज्य, राज्य आन्दोलनकारियों के सपनो के अनुरूप एक उन्नत व समृद्ध राज्य होगा। हम भ्रष्टाचार पर लगातार प्रहार कर रहे है। भ्रष्टाचार के विरूद्ध इस लड़ाई में जनता, जनप्रतिनिधि, मंत्रीगण, सहयोगी व नौकरशाही हमारे साथ है। इस संघर्ष में हमको सबका सहयोग मिल रहा है।

इस अवसर पर विधायक श्री विनोद चमोली, श्री भरत सिंह चौधरी, अपर मुख्य सचिव श्री ओम प्रकाश, मुख्य अभियन्ता श्री हरि ओम शर्मा, प्रमुख अभियन्ता श्री आर सी पुरोहित, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री नरेश बंसल, श्री महेश पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*